डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(नेशनल अकादमी ऑफ़ लेटर्स)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

प्रेस विज्ञप्ति

साहित्य अकादेमी का वार्षिक साहित्योत्सव 12 फरवरी 2018 से 17 फरवरी 2018 तक

–देशभर के 250 से अधिक साहित्यकार/विद्वान एवं पत्रकार लेंगे भाग
–राष्ट्रीय संगोष्ठी का विषय 'भारत की स्वाधीनता के 70 वर्ष : साहित्य में चित्रण'
–कवि सम्मेलन मुख्य आकर्षण

नई दिल्ली। 8 फरवरी 2018। साहित्य अकादेमी द्वारा प्रतिवर्ष मनाया जाने वाला साहित्योत्सव इस बार 12 फ़रवरी से 17 फ़रवरी 2018 तक आयोजित किया जा रहा है। उत्सव का आरंभ अकादेमी की वर्षभर की गतिविधियों को प्रदर्शित करनेवाली प्रदर्शनी से होगा। प्रख्यात कथाकार चित्रा मुद्गल 12 फ़रवरी 2018 को पूर्वाह्न 10.00 बजे प्रदर्शनी का उद्घाटन रवींद्र भवन परिसर, नई दिल्ली में करेंगी। प्रेस कान्फ्रेंस में यह जानकारी देते हुए साहित्य अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने बताया कि इस साहित्योत्सव में देश के कोने–कोने से विभिन्न भाषाओं का प्रतिनिधित्व करने वाले लगभग 250 लेखक और विद्वान विविध कार्यक्रमों में भागीदारी करेंगे।

मुख्य आकर्षण साहित्य अकादेमी पुरस्कार अर्पण समारोह होगा जो कमानी सभागार, नई दिल्ली में 12 फ़रवरी 2018 को सायं 5.30 बजे आयोजित होगा, जिसमें 24 भारतीय भाषाओं के वर्ष 2017 के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए जाएँगे।

इस वर्ष त्रि–द्विवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का विषय **'भारत की स्वाधीनता के 70 वर्ष : साहित्य में चित्रण'** है, जिसका उद्घाटन वक्तव्य प्रख्यात ओड़िया लेखक एवं महत्तर सदस्य, साहित्य अकादेमी मनोज दास करेंगे। इस त्रि–दिवसीय संगोष्ठी में रघुवीर चौधरी, शरण कुमार लिम्बाले, भालचंद्र नेमाड़े, एच.एस. शिवप्रकाश, के. सच्चिदानंदन, सी. राधाकृष्णन जैसे प्रख्यात लेखक एवं विद्वान भाग ले रहे हैं। एक अन्य संगोष्ठी 'वाचिक एवं जनजातीय साहित्य' पर भी होगी, जिसका उद्घाटन वक्तव्य प्रख्यात विद्वान मृणाल मिरी देंगे। प्रख्यात कन्नड़ लेखक एवं साहित्य अकादेमी के महत्तर सदस्य डॉ. एस.एल. भैरप्पा द्वारा ''व्यास गुफा की यात्रा'' विषय पर संवत्सर व्याख्यान दिया जाएगा। युवा साहिती, आमने–सामने, पूर्वोत्तरी – उत्तर–पूर्वी और उत्तरी लेखक सम्मिलन, आदिवासी कवि सम्मिलन आदि के अतिरिक्त तीन परिसंवाद– 'अनुवाद पुनर्कथन के रूप में', 'मीडिया और साहित्य' एवं 'भारतीय साहित्य में प्रकाशकों की भूमिका' विषय पर आयोजित किए जा रहे हैं। बच्चों के लिए 'आओ कहानी बुनें' के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताएँ एवं संवाद आयोजित किए जाएँगे, जिसमें प्रख्यात कार्टूनिस्ट एवं लेखक आबिद सुरती बच्चों के साथ संवाद करेंगे। इस वर्ष भारत और इज़राइल के बीच राजनयिक संबंधों के 25 वर्ष पूर्ण होने पर भारतीय–इज़राइली लेखक सम्मिलन का भी आयोजन किया जा रहा है।

दिनांक 12, 14, 15 एवं 16 फरवरी को सायंकाल में क्रमशः सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतर्गत *कूचिपुड़ी नृत्य, साऽराई और वा नृत्य, कवि सम्मिलन तथा* शेखर सेन द्वारा *मध्ययुगीन काव्य की सांगीतिक प्रस्तुति* भी आयोजित किए जा रहे हैं। कवि सम्मिलन में शीन क़ाफ निज़ाम, वसीम बरेलवी, कुँवर बेचैन, अशोक चक्रधर, राजेश रेड्डी, माहेश्वर तिवारी, बुद्धिनाथ मिश्र, आलोक श्रीवास्तव एवं लक्ष्मी शंकर वाजपेयी सहित अन्य प्रख्यात कवि एवं शायर भाग लेंगे।

रवींद्र भवन परिसर में अकादेमी की पुस्तक प्रदर्शनी सुबह 10 बजे से सायं 7 बजे तक प्रतिदिन होगी और पुस्तकें बिक्री के लिए 20 प्रतिशत की विशेष छूट पर उपलब्ध होंगी। सभी कार्यक्रम रवींद्र भवन परिसर में ही आयोजित किए गए हैं।

8/2/2018

(के.श्रीनिवासराव)

रवीन्द्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-2338 7064, 2307 3002, फैक्स : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone : +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax : +91-11-2338 2428
E-Mail : secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website : http//www.sahitya-akademi.gov.in

डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(नेशनल अकादमी ऑफ़ लेटर्स)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

SA./16/14

8 February, 2018

Press Release

Sahitya Akademi is organizing its **Annual Festival of Letters at** Rabindra Bhavan, 35, Ferozshah Road, New Delhi from **12** to **17 February, 2018**. This year the Festival's theme is **70 Years of Indian Independence,** which contributes to the enhancement of the prestige and attractiveness of the Language diversity on a unique stage. More than 250 writers/scholars from different parts of the country representing various languages are taking part in this year's Festival of Letters.

The Festival will begin with the inauguration of **Akademi Exhibition** by Smt. Chitra Mudgal, eminent Hindi writer at 10.00 a.m. on 12 February 2018. The prestigious **Sahitya Akademi Awards Presentation Ceremony** will be held on the same day at Kamani auditorium, Copernicus Marg at 5.30 p.m. The **Samvatsar lecture** will be delivered by Prof S.L. Bhyrappa, eminent Kannada writer and scholar on 13 February 2018 at 6.00 p.m. at Rabindra Bhavan lawns.

National Seminar on **70 Years of Indian Independence: Literary Portrayals** and a seminar on **Tribal and Oral Literature** will feature eminent scholars and writers from all over the country. Apart from other regular features, we will have **Indo-Israeli Writers' Meet** on the occasion of the 25th Anniversary of the establishment of diplomatic relations between India and Israel. The Akademi is organizing a Symposium on **The Role of Publishers in Indian Literature** and also on **Media and Literature** this year as a part of the festival.

The Yuva Sahiti will be organized on 15th February, 2018 with young writers from 24 different Indian languages while **Purvottari: North East and Northern Writers' Meet** will be held on 16th February, where writers from Northern and North Eastern languages are invited. **Seminar on Oral and Tribal Literature and Tribal Poets' Meet** will be held from 13 to 14 February. To promote children's activities, programme on **Spin A Tale** will be organized on 17th February. Poet and story writing competition for children will be the special attraction. There will be Symposium on **Translation** on 16th February, 2018.

A colourful cultural performance reflecting the Nation's cultural heritage will be the part of the evening performances, like Kuchipudi Dance by Kuchipudi Bhagavatha Melam, Sangrain & Wa Dance by Sangrain Dance Academy, Tripura, Kavi Sammelan, Musical Presentation of Mediaval Poetry by Shekhar Sen. Thus, the week will showcase several series of events, exhibitions and cultural performances, which will transform the capital into a destination for celebrating the rich and vibrant Literature of India.

(K.Sreenivasarao)

रवीन्द्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-2338 7064, 2307 3002, फैक्स : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone : +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax : +91-11-2338 2428
E-Mail : secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website : http//www.sahitya-akademi.gov.in